Museo Palafitte Fiavé

मैं आपको समझाता हूँ

बच्चों द्वारा बच्चों के लिए मार्गदर्शन पुस्तिका
फिआवे के पलाफिट्टेस संग्रहालय की जानकारी

फिआवे के किंडरगार्टन "मारिया वलेंतिनि"-फिआवे (त्रेंतो) शाला वर्ष 2013 - 2014

संग्रटालए एक ऐसी जराह है जहाँ ढेरों महत्वपूर्ण बसवुएँ फाँज के बक्सों।
कमरों में प्रदर्शन के लिए रखी होती हैं ताकि उनके टूटने - पुटने था ख़राब होने का भय़ न रहे।

प्राचीन झील करेरा की खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को अनेक महत्त्वपूर्ण चीजें मिलीं।
आज इस झील के तल में प्रांगण स्थित है।

पलाफिट्टेस ?

पलाफिट्टेस खंभों पर बनाए गए घर हैं ,इन्हें खंभों पर टिकाया गया है क्योंकि यहाँ नीचे पानी और मिट्टी होती है

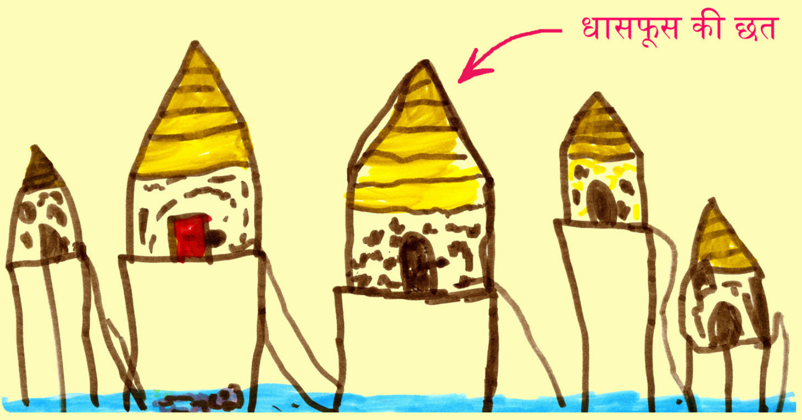

फिआवे(त्रेंतो) के नर्सरी "मारिया वलेंतिनि" के शिक्षक़ फ्राँचेस्का, दिना, तिज़िआना, मिकेला, अन्नामरिआ, रोबर्टा और बच्चों द्वारा यह मार्गदर्शिका बनाई गई है शाला वर्ष 2013 – 2014 में, फिआवे के पलाफिट्टेस संग्रहालय की सहायता से |

प्रकल्प सहयोगी
शिक्षण और रेखाचित्र: मिरता फ्रांज़ोई
अनुवाद: "चिन्फ़ोर्मि" - प्रोविंचा ऑटोनोमा - त्रेंतो

Museo Palafitte Fiavé
Via 3 Novembre, 53, Fiavé (TN)
tel. 0465 735019
museopalafittefiave@provincia.tn.it

Provincia autonoma di Trento
Soprintendenza per i Beni culturali
Ufficio Beni archeologici
Servizi Educativi
tel. 0461.492161 - didattica.archeologica@provincia.tn.it

Siti palafitticoli preistorici dell'arco alpino – Patrimonio mondiale

Family in Trentino

foto Ornella Michelon - stampa Centro Duplicazioni P.A.T.

गाँव् में कई चखाहे थे

तुम्हारे पास अगर भेंड़ है
तो तुम उससे
दूध और चीज़
प्राप्त कर सकते हो

चख़ाहों को भेड़ों से
ऊन मिलता था।
भेड़ों के बालों से
वे ऊन बनाते थे।

पर ऊन के लिए बाल
काट दिए जाने पर
भेड़ों को ठंड में
ठिठुरना पड़ता था,
जब तक कि उनके
शरीर पर दोबारा
नए बाल न उग आएँ।

किसान...

जो धरती पर अन्न
उगाते हैं,
वैसे कि सब्जियाँ

गाँव् के पास पास जंगली इलाके में कुछ बढ़ई और शिकारी थे

बढ़ई लकड़ी काट कर
उससे कटोरे,
गिलास और
थालियाँ
बनाते थे

कसाई के पास जाने
के बजाए शिकारी
खुद ही जानवरों
को मार कर उनका
मांस खाते थे

पलाफिट्टेस के लोग क्या खाते थे ?

पाव, दूध,
मक्खन,
जीज़, माँस,
मटर, दालें,
अनेकों फल
और सब्जियाँ।

पलाफिट्टेस के लोग
दालों को कूटकर,
पीस कर उससे पाव
बनाते थे।

मलाई को फेंट कर
उससे मक्खन बनाते थे,
वे उस मक्खन
के पाव पर लगा कर
उसका नाश्ता करते थे।

कई साल पूर्व एक... व्यापारी गाँव् में गया
वह व्यापारी पलाफिट्टेस के निवासियों
के साथ कुछ लेन-देन व्यापार
करना चाहता था

लेन-देन व्यापार का अर्थ है
वस्तुओं का आदान-प्रदान|
उदाहरण के तौर पर अगर
तुम मुझे अपनी अँगूठी दोगे,
तो बदले में मैं तुम्हें कोई और चीज़ दूंगा|